बॉलीवुड में इन दिनों आलिया भट्ट सफलता के घोड़े पर सवार हैं. आने वाले दिनों में वह करण जौहर के साथ तख्त एसएस राजामौली के साथ इंशाअल्लाह और कुछ अन्य महत्वपूर्ण फिल्में कर रही हैं. 20 बरस की इस अभिनेत्री ने अपनी पहली फिल्म से ही लगातार सफलता का स्वाद चखा है. वह अपनी फिल्म कलंक की प्रतिक्रिया देखने में व्यस्त हैं. और ब्रम्हास्त्र की शूटिंग कर रही हैं. ब्रम्हास्त्र रणवीर कपूर के साथ उनकी पहली फिल्म भी होगी. आलिया कहती हैं मैं तमाम व्यस्तता के बावजूद अपने लिए पूरा समय रखती हूं.

बीती बातों का अफसोस नहीं करती हूं...

मैं अपनी बिल्ली एडवर्ड के साथ खेलना नहीं भूलती और अपनी बहन शाहीन के साथ बातचीत करना. जुहू के एक रेस्तरां में करीब 30 मिनट की बातचीत में उन्होंन बताया कि शीर्ष की अभिनेत्री कहे जाने पर आखिर उनके दिमाग में क्या चलता है और वे किस तरह भूमिकाओं को लगन से सजाती हैं. बातचीत के प्रमुख अंक-

आपकी हालिया रिलीज फिल्म की चर्चा है और राजी के लिए मिलने वाले अवॉड्र्स में भी आपकी वाहवाही है. क्या आप शीर्ष पर पहुंच गई हैं?

मैं कभी भी अति-आत्मविश्वासी नहीं होना चाहूंगी. मैं यकीन के साथ अपनी क्षमताओं का विस्तार करना चाहती हूं. जब भी मेरे करियर और निजी जिंदगी में अच्छी चीजें होती हैं तो मैं और अधिक एकाग्रता से मेहनत करती हूं. मैं सफलता से कभी भी आलसी नहीं होती बल्कि उससे और प्रेरित होती हूं. अब फिल्मों में काम करते हुए मुझे एक दशक हो जाएगा. पहले 5 वर्ष तो हवा के झोंके की तरह रहे. जब मैंने स्टूडेंट ऑफ द ईयर की तो मेरे दिमाग में कुछ भी स्पष्ट नहीं था कि मैं आगे क्या करने वाली हूं. मगर अब मैं पिछले एक दशक के सफर को एक रोमांचक यात्रा की तरह देखती हूं. अब मुझे लगता है कि मैं एक मुकाम तक पहुंच गई हूं. मैं चीजों को लेकर बहुत ज्यादा सोचती हूं इसलिए मैं लगातार यह कोशिश करती हूं कि नकारात्मक विचारों से दूर रहूं. मैं हर दिन का स्वागत नए ढंग से करती हूं और बीती बातों का अफसोस नहीं मनाती हूं. यही आगे बढ़ने का राज भी है.

आपने काम करते हुए एक्टिंग सीखी लेकिन कई लोगों का कहना है कि आपका स्वाभाविक रुझान इसी तरफ था. क्या आपको नहीं लगता?

नहीं मैं आज भी हर दिन और अपने हर निर्देशक से बहुत कुछ सीखने की कोशिश करती हूं. कोई भी स्वाभाविक रुप से अभिनेता नहीं होता है. मुझे आज भी हर भूमिका ऐसे लगती है जैसे मुझे एवरेस्ट पहाड़ चढ़ना हो. मैं हर नई भूमिका को इसी तरह देखती हूं. मुझे याद है कि जब मुझे उड़ता पंजाब (2016) मिली थी तो मेरे हाथ-पैर फूल गए थे. मगर इसे मैं डर नहीं रोमांच कहूंगी. लेकिन मैं अंधेरे में भी नहीं रहती हूं क्योंकि मुझे अपनी क्षमताएं पता है. जब मैं कोई भी स्क्रिप्ट पढ़ती हूं तो मुझे पता चल जाता है कि मैं इसकी रुह को पकड़ भी पाऊंगी या नहीं. जब मुझे लगता है कि मैं किसी भूमिका को अच्छे से कर पाऊंगी तभी मैं उसके लिए हां कहती हूं. हर फिल्म मुझे शून्य से शुरु करने का मौका देती है. और मैं मन के अनुरुप चलती हूं.

इन दिनों आलिया भट्ट ऐसी अभिनेत्री हैं जिनकी फिल्में लगातार सफलता हासिल कर रही हैं. राजी में भूमिका के लिए उन्हें अवॉड्र्स मिल रहे हैं और हाल ही में उनकी कुछ बड़ी फिल्में आने वाली हैं. उनका कहना है कि वे ज्यादा सोचती जरुर हैं, लेकिन नकारात्मक चीजों से दूर रहने का पूरा प्रयास करती हैं.

क्या वरुण धवन और अभिषेक वर्मन के साथ फिल्म करना आसान था?

निश्चित ही साथ कुछ फिल्में की हैं तो चीजें मालूम थीं लेकिन कुछ भी आसान नहीं होता है. अभिषेक और बरखा मेरे अच्छे दोस्त हैं. वरुण अभिनय को बहुत आसान बनाने की कला जानता है और यह बहुत जरुरी था, क्योंकि कलंक की भूमिका मेरे लिए कठिन थी. जब काम का दवाब बहुत ज्यादा होता है तो मोरल सपोर्ट बहुत काम आता है. मैं ब्रम्हास्त्र और कलंक की शूटिंग एकसाथ ही कर रही थी और कुछ दिन तो अति व्यस्थ थी. अभिषेक के विजन के अनुरुप काम करना बहुत चुनौतीपूर्ण था. मेरा किरदार रुप का है जो अपनी उम्र के 40 वें वर्ष में है. उसके विचारों को परदे पर प्रस्तुत कर पाना आसान नहीं था. हमने रुप को थोड़ा सा इम्परफेक्ट रखा है. मुझे यह किरदार पसंद रहा क्योंकि लोग ऐसे ही होते हैं. परफेक्ट लोग बहुत बोरिंग होते हैं. इस फिल्म का अंत लोगों को पकड़ लेता है.

महिलाओं से परफेक्ट होने की उम्मीद की जाती है लेकिन दर्शकों ने गली ब्वॉय फिल्म में आपके किरदार को बहुत टॉक्सिक पाया. क्या आप भी उसे ऐसे ही देखती हैं?

मैं उसे जंगली की तरह देखती हूं और यही मुक्ति देने वाला नजरिया है. मैं किसी भी तरह के हिस्सा का समर्थन नहीं करती हूं लेकिन यह सच्चाई तो है. आखिर किसी ऐसे व्यक्ति के साथ और क्या होगा जिसे पिंजरे में कैद कर दिया गया हो? उसके भीतर बहुत सारी नकारात्मकता इकठ्ठा हो गई थी लेकिन वह किसी तरह भी टॉक्सिक नहीं थी. मैं समझ सकती हूं कि दोनों में बहुत थोड़ा फर्क है और सफीना चीजों मे हेरफेर करती हैं. लेकिन वह ईमानदार हैं और उसका दिल साफ है. अगर उसके किरदार से हिंसा निकाल दी जाए तो वह एक अच्छा किरदार है.

✍ **मोहन वासु**

क्या आप मजबूत महिलाओं के किरदार की तरफ आकर्षित होती हैं?

इस तरह के रोल मुझे मिलते हैं तो यह मेरा भाग्य ही कहा जाएगा. मैं कहूंगी कि फिल्मों में महिलाओं के रोल बहुत जिम्मेदारी के साथ लिखे जा रहे हैं. मैं महिलाओं के सभी तरह के किरदार निभाने में यकीन रखती हूं राजी फिल्म की सहमत का किरदार गली ब्वॉय की सफीना से बिल्कुल अलग है मगर दोनों बहादुर हैं.

हीरोईनें एक दूसरे की तारीफ कम ही करती हैं लेकिन प्रियंका चोपड़ा, जैकलीन फर्नांडीस से लेकर श्रध्दा कपूर तक सभी आपकी तारीफ करती हैं?

मैं एक अच्छी इंसान और आपने जितनी भी हीरोइनों के नाम लिए थे वे भी (हंसते हुए) मैं खासतौर पर करीना और प्रियंका के ज्यादा करीब हूं क्योंकि मैंने उनके साथ ज्यादा वक्त बिताया है. जब भी प्रियंका मुंबई में होती हैं तो मैं उनके साथ समय बिताना पसंद करती हूं. हमारे बीच कोई असुरक्षा नहीं है. इसी तरह कैटरीना से भी मेरी अच्छी दोस्ती है. हमारी मुलाकात जिम में हुई थी और उसी दिन से वह मेरी मित्र हैं.

क्या आपको नहीं लगता कि फिल्म इंडस्ट्री में भी भाई- भतीजावाद है?

मुझे लगता है कि जो भी लोग इस बारे में बात करते हैं उनके मन में बहुत ईष्या का भय होता है. मैं कहती हूं कि अगर आपमें प्रतिभा नहीं है तो आप बॉलीवुड में चल ही नहीं सकते हैं. किसी का सहारा होने से बॉलीवुड में एंट्री आसान हो जाती है. लेकिन सफलता मिलना नहीं. यहां यह मायने नहीं रखता कि आपके लिए फिल्म कौन बना रहा है बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि फिल्म कैसी बनी है किसी का नाम लिए बिना ही मैं कहूंगी कि यहां कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के बच्चे आए और बिना सफलता पाए चले भी गए आप इस बारे में क्या कहेंगे आखिरकार आप एक अभिनेता के तौर पर ही पसंद या नापसंद किए जाते हैं. इसलिए भाई भतीजावाद पर ज्यादा दिनों तक रह पाना बहुत मुश्किल है सिर्फ एक संभावनाशील कलाकार ही यहां बना रह सकता है. तो अंतिम सत्य तो यही है.

बहाने नहीं बनाती मलायका अरोड़ा

अपनी फिटनेस रूटीन के बारे में कुछ बताएं.

मुझे अपनी फिटनेस रूटीन से प्यार है और मैं इसी पूरी तरह फॉलो करती हूं. चाहे यह योगा हो, पिलेट्स या जिम में कसरत. मैं हर फिटनेस एक्टिविटी का आनंद लेती हूं. मैं इस बात को यकीनी बनाती हूं कि मेरी कसरत मॉडरेट और विगरस एक्सरसाइज का मिश्रण हो जो मुझे सामाजिक, शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट बनाये.

> उनकी बॉडी कुछ ऐसी है जो किसी किशोर को भी उनसे ईर्ष्या हो जाये. उनकी इस शानदार शेप का राज है एक ऐसी फिटनेस रूटीन जिसे वे पूरी निष्ठा से फॉलो करती हैं. वह अक्सर विभिन्न अवसरों पर योगा सेशन भी कराती हैं. उनसे हुई बातचीत के अंश:

क्या आप रोजाना कसरत करती हैं?

जी हां. मैं अपने दिवा योगा स्टूडियो में रोजाना योगा करती हूं. मेरे पास ट्रेनर्स भी हैं, जो शानदार ट्रेनिंग देते हैं. मेरी प्रेरणा है कि मैं खुद की एक बेहतर वर्सन बनूं.

आप योगा बहुत करती हैं. इसमें कौन-सी चीज आपको सबसे ज्यादा पसंद है?

योगा मेंरी रोजमर्रा जिंदगी का अभिन्न हिस्सा है. मुझे डायवर्सिटी पसंद है. मैं विभिन्न प्रकार के आसन करती हूं. चाहे वह इंस्टेंट ग्लो के लिये हों, बॉडी को टोन करने के लिये या खुद को तनावमुक्त करने के लिये. योगा मेरे लिये हैप्पी जोन है.यह एक विगरस किस्म की कसरत है जिसे रिलेक्सेशन के लिये ही नहीं गंभीर कसरत के लिये भी करते हैं. मैं इन दोनों कामों के लिये योगा करती हूं.

✍ **उत्नोता पॉल**

आपके पसंदीदा आसन कौन -से हैं?

मुझे हर तरह के योगा पसंद हैं. मैं पद्मासन को बहुत पसंद करती हूं, क्योंकि यह बैलेंस और सिमिट्री को बढ़िया बनाता है. यह शरीर, दिमाग और आत्मा में संतुलन पैदा करता है. यह ध्यान की क्षमता भी बढ़ता है.

जब जिम जाने का मन नहीं करता, तो आप क्या करती हैं?

चूंकि मैं इंडस्ट्री से जुड़ी हूं इसलिये समय-समय पर मुझे यहां से वहां जाना पड़ता है. इस सिर्फ बात को छोड़कर मैंने कभी बहाना नहीं बनाया. मैं फिटनेस को जीवन जीने का ढंग मानती हूं. मैं योगा और मेडिटेशन के लिये अपने एक घंटे की नींद भी छोड़ सकती हूं. क्योंकि इससे मुझे आध्यात्मिक शांति मिलती है.

कौन-सी कसरत में आप सबसे ज्यादा खुशी महसूस करती हैं और किस कसरत से डरती हैं?

मैं सबका कांबिनेशन पसंद करती हूं लेकिन मुझे वेटलिफ्टिंग से डर लगता है, क्योंक यह काफी थका देने वाली कसरत है.

आपके विचार में लोग जिम में सबसे बड़ी कौन-सी गलती करते हैं?

- मेरे विचार से सही तरीका जाने बगैर शरीर को पुश करना सबसे बड़ी गलती है. कई बार लोग दूसरों को अंधाधुंध फॉलो करते हैं और खुद को चोट पहुंचा लेते हैं. अपनी शरीर की बात सुनना सबसे जरूरी है.

आपकी रोजाना की डाइट कैसी है?

मैं डायटिंग नहीं करती इसलिये डाइट को चीट करने का सवाल ही पैदा नहीं होता. मैं हर चीज का सेवन सयंम से करती हूं. हर चीज थोड़ा-थोड़ा खाती हूं इसलिये किसी चीज की खास तलब नहीं उठती.

क्या आपको मीठा पसंद है?

मुझे तिरामिसु और गुलाब जामुन बहुत पसंद है. इनका कम मात्रा में ही सेवन करती हूं इसलिये रजिस्टर कर सकती हूं.

कोई ऐसा खाना जिससे आप पक्की तरह से जुड़ी हों?

घर का खाना मेरे लिये सबसे अच्छा है. मैं जितना हो सके, शाकाहारी रहने की कोशिश करती हूं. मैं इंटरमिटैंट फास्टिंग के पक्ष में भी हूं.

डायना नहीं करती ट्रोल्स की परवाह

हाल ही में डायना ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर डेब्यू किया है. वहां पहली बार अपनी फैशन सैंस और खूबसूरती का परचम लहराने को लेकर वह काफी रोमाचित हैं, जहां वह फिल्म गाला का हिस्सा बनीं.

डायना पेंटी के इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स हैं जो उसकी हर पोस्ट की खूब पसंद करते हैं और उसकी हर फोटो पर लाखों लाईक्स और कमेंट्स भी आते हैं परंतु वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपने सरनेम को लेकर भी ट्रोल होती रही हैं.

हालांकि, इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता. वह कह चुकी हैं, कुछ लोग केवल आपका मजाक उड़ाने या आपको नीचा दिखाने के लिए ट्रोल करते हैं. बात जब बढ़ जाती है, तो मैं ऐसे लोगों को ब्लॉक करना पसंद करती हूं.

हालांकि, पर्दे पर उसे इंटीमेट सीन करना और बिकिनी पहनना पसंद नहीं है. वह कहती हैं, मेरी कुछ लिमिट्स हैं, मैं उसी हद तक रहना चाहती हूं. मुझे कम्फर्टेल ड्रेस ही पसंद है. कैजुअल आऊटफिट पहनती हूं. बिकिनी मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर है.

खाने-पीने में उसे चॉकलेट के अलावा कोरियन और थाई फूड साथ हो लाईम जूस पंसद है. डायना कहती हैं, मैं खाने के लिए जिंदा हूं. कभी मौका मिला तो एक रेस्तरां जरुर खोलूंगी.

- **जन्म-** 2 नवम्बर 1985
- **जन्म स्थान-** मुम्बई
- **शिक्षा-** सेंट जेवियर्स कॉलेज मुम्बई से ग्रेजुएशन
- **पहली फिल्म-** कॉकटेल
- **अन्य फिल्में-** हैप्पी भाग जाएगी, लखनऊ सेंट्रल तथा परमाणु -द स्टोरी ऑफ पोखरण
- **आने वाली फिल्म -** शिद्दत- जर्नी बियाण्ड लव
- **विशेष-** अभिनय के अतिरिक्त मॉडलिंग में भी समान रुप से सक्रिय

कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू

हाल ही में डायना ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर डेब्यू किया. वहां पहली बार अपनी फैशन सैंस और खूबसूरती का परचम लहराने को लेकर वह काफी रोमांचित हैं. गोल्डन रंग की बेहद ग्लैमरस ड्रेस में उसने वहां सभी का ध्यान खींचा. कान्स में पहली बार हिस्सा लेने को लेकर डायना ने कहा. भारत ने कुछ ही सालों में प्रतिष्ठित कान्स फिल्म महोत्सव में बहुत मान्यता और प्रशंसा पाई है और मैं भी इस साल इसका हिस्सा बनने पर बहुत उत्साहित हूं.

आने वाली फिल्म

दिनेश विजन की अगली महत्वाकांक्षी फिल्म शिद्दत जर्नी बियाण्ड लव के लिए डायना को साईन किया गया है. इसमें वह सनी कौशल, राधिका मदान, डायना होंगी तो सनी के ऑपोजिट राधिका नजर आएंगी.

हर शुक्रवार बदलती है किस्मत- अनन्या पांडे

अभिनेता चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे ने भी फिल्मों में अभिनय से करियर की शुरुआत की है. करण जौहर के निर्माण में बनी यह फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर की यह फ्रैंचाइजी फिल्म है. अनन्या 20 वर्ष की हैं और वह कहती हैं, उनके पापा चंकी पांडे ने उन्हें अभिनय के टिप्स नहीं दिए पर संस्कार जरुर दिए हैं. पेश हैं अनन्या से एक बातचीत के प्रमुख अंश -

फिल्म में डेब्यू के साथ आपका सपना साकार हो गया. कैसा लगा?

मैंने ईश्वर से प्रार्थना की थी कि मेरी प्रार्थना सुन लें. विधाता ने मेरी बात मान ली और मुझे करण जौहर ने धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म में मौका दिया. फिलहाल में बड़ी नर्वस फील कर रहीं हूं.

आप चंकी पांडे की बेटी हैं क्या इसीलिए धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म मिलना आपके लिए आसान हुआ?

मेरे डैड के डैड यानी मेरे दादाजी प्रख्यात हार्ट सर्जन डॉ. शरद पांडे हैं, जिनका अभिनय से कोई सरोकार नहीं है. मेरे डैड अभिनय में आए क्योंकि उनमें काबिलियत थी और मौका मिला. अपने फिल्मी करियर के अगले पड़ाव में उन्होंने मेहनत की मेरे डैड मेरे जन्म से पहले नामी स्टार थे, पर बाद में उनके करियर में ब्रेक सा लग गया. इसीलिए यह नहीं कहा जा सकता कि मैंने उनके नाम पर बैठे-बैठे फिल्म पा ली.

तो फिर आपको स्टूडेंट ऑफ द ईयर-2 कैसे मिली?

मैं 12 वीं तक पढ़ाई करने के बाद हायर एजुकेशन के लिए कैलिफोर्निया जाने वाली थी. मुझे अभिनय में आना था, खुद को ग्रूम करते हुए मैंने 18 वर्ष की उम्र में स्टूडेंट ऑफ द ईयर- 2 के लिए ऑडिशन दे दिया. मैंने सोचा था अगर मेरा सिलेक्शन होता है तो नथिंग लाइक इट और अगर नहीं होता तो हायर स्टडीज करने चली जाऊंगी. मैं ऑडिशन टेस्ट में पास हो गई और फिर आगे चलकर वर्कशॉप शुरू हुए. यह अभिनय की पाठशाला पूरे एक साल चली, इसे भी मैंने पास कर लिया.

✍ **पूजा सामंत**

सुना है, आपने जो श्रेया सुखड़िया का किरदार निभाया है, इसी किरदार के लिए पहले सुहाना खान शाहरुख खान की बेटी का सिलेक्शन हुआ था.

नहीं तो सुहाना ने अभी ऑडिशंस देना शुरु नहीं किया, जहां तक मेरी जानकारी है. सुहाना और जान्हवी श्रीदेवी की बेटी मेरी दोस्त हैं. अगर उनके करियर में कुछ हो रहा है तो वे मुझसे शेयर करेंगी.

चंकी पांडे एक दौर के स्टार थे, अपने पिता से अभिनय की क्या टिप्स मिली आपको?

मेरे डैड का मानना है कि अभिनय के गुण खून में होते हैं. इसे विरासत में पाया जाता है, इसे सिखाया नहीं जाता. मैंने अपने डैड को जब भी देखा, महसूस किया तो पाया कि मेरे डैड निहायत भले इंसान हैं. उनका शुरु से यह कहना था कि सफलता और असफलता किस्मत की बात है. हर शुक्रवार फिल्मी सितारों की किस्मत बदल जाती है, बस अपना बर्ताव मायने रखता है.